PRACTICES	HYBRID SUMMER SQUASH (ARYAN-70)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड समर स्क्वैश (आर्यन-70)
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	खेत की सफाई	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।
Soil requirement	Sandy loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-7.5. Avoid waterlogging and heavy clay soil.	मिट्टी की आवश्यकता	बलुई दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 6.0-7.5। जलभराव और भारी चिकनी मिट्टी से बचें।
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	मृदा परीक्षण	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।
Climate Suitability	Climate Requirement Squash thrives in warm and dry climates with full sunlight. Optimum temperature: 20–30 °C. Sensitive to frost; cool weather delays growth and fruiting.	जलवायु उपयुक्तता	जलवायु संबंधी आवश्यकताएँ स्क्वैश गर्म और शुष्क जलवायु में भरपूर धूप में अच्छी तरह उगता है। इष्टतम तापमान: 20-30 डिग्री सेल्सियस। पाला इसके लिए संवेदनशील होता है; ठंडा मौसम इसकी वृद्धि और फलने-फूलने में देरी करता है।
Land preparation	Land Preparation 2–3 ploughings followed by harrowing to achieve fine tilth. Incorporate 8–10 tons of well-decomposed FYM per acre during last ploughing. Prepare raised beds or ridges and furrows for better drainage and aeration.	भूमि की तैयारी	भूमि की तैयारी दो-तीन बार जुताई करें और फिर हैरोइंग करके मिट्टी को बारीक बना लें। अंतिम जुताई के दौरान प्रति एकड़ 8-10 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डालें। बेहतर जल निकासी और वायु संचार के लिए ऊँची क्यारियाँ या मेड़ें और नालियाँ तैयार करें।
Sowing Time	Sowing Time / Season • North India: February–March (spring-summer crop), June–July (monsoon crop). • South India: January–March and September–December. • Hill regions: April–June.	बुवाई का समय	बुवाई का समय/मौसम • उत्तर भारत: फरवरी-मार्च (वसंत-ग्रीष्मकालीन फसल), जून-जुलाई (मानसून की फसल)। • दक्षिण भारत: जनवरी-मार्च और सितंबर-दिसंबर। • पहाड़ी क्षेत्र: अप्रैल-जून।
Seed rate & Spacing	Seed Rate / Sowing Method / Spacing Seed rate: 1–1.5 kg per acre (≈ 2.5–3.5 kg/ha). Sowing method: Direct sowing on ridges or pits at 2–3 cm depth. Spacing: 1.5 m between rows × 0.6 m between plants (bushy types); 2.0 m × 1.0 m for spreading varieties. Sow 2–3 seeds per hill; thin to one healthy plant after germination.	बीज दर और दूरी	बीज दर / बुवाई विधि / पौधों के बीच की दूरी बीज दर: 1–1.5 किलोग्राम प्रति एकड़ (≈ 2.5–3.5 किलोग्राम/हेक्टेयर)। बुवाई विधि: मेड़ों या गड्ढों में 2–3 सेंटीमीटर गहराई पर सीधी बुवाई। पौधों के बीच की दूरी: पंक्तियों के बीच 1.5 मीटर × पौधों के बीच 0.6 मीटर (झाड़ीदार किस्मों के लिए); फैलने वाली किस्मों के लिए 2.0 मीटर × 1.0 मीटर। प्रति टीले 2–3 बीज बोएं; अंकुरण के बाद स्वस्थ पौधों में से एक को छोड़कर बाकी को हटा दें।
Seed Treatment	Seed Treatment / Fungicide Treat seeds with Thiram or Captan @ 3 g/kg or Trichoderma viride @ 4 g/kg before sowing to prevent damping-off and root rot. For virus-prone areas, soak seeds in Imidacloprid 5 g/L solution for 10 minutes to protect from vector-borne infection.	बीज उपचार	बीज उपचार / फफूंदनाशक बुवाई से पहले बीजों को थिरम या कैप्टन (3 ग्राम/किलोग्राम) या ट्राइकोडर्मा विरिडे (4 ग्राम/किलोग्राम) से उपचारित करें ताकि पौधों में सड़न और जड़ सड़न से बचाव हो सके। वायरस-प्रवण क्षेत्रों में, बीजों को इमिडाक्लोप्रिड (5 ग्राम/लीटर) के घोल में 10 मिनट के लिए भिगो दें ताकि परजीवी जनित संक्रमण से बचाव हो सके।
Weed Management	Weed Control First weeding and earthing up 20–25 days after sowing; second at 40 days. Mulching (organic or plastic) is highly effective for moisture conservation and weed suppression. Pre-emergence herbicide Pendimethalin @ 1 L/acre may be applied after sowing (if permitted).	खरपतवार प्रबंधन	खरपतवार नियंत्रण बुवाई के 20-25 दिन बाद पहली निराई और मिट्टी चढ़ाना; दूसरी निराई 40 दिन बाद। मल्चिंग (जैविक या प्लास्टिक) नमी संरक्षण और खरपतवार दमन के लिए अत्यंत प्रभावी है। बुवाई के बाद (यदि अनुमति हो) 1 लीटर प्रति एकड़ की दर से प्री-इमर्जेंस हर्बिसाइड पेंडिमेथालिन का प्रयोग किया जा सकता है।
Fertilizer Management	Fertilizer & Nutrient Management (Per Acre) Organic manure: 8–10 t FYM before sowing. Chemical fertilizers: • Urea – 80 kg (≈ 37 kg N) • SSP – 125 kg (≈ 20 kg P_2O_5) • MOP – 40 kg (≈ 25 kg K_2O). Apply full P & K and half N at sowing; apply remaining half N in two splits at flowering and fruiting stages.	उर्वरक प्रबंधन	उर्वरक एवं पोषक तत्व प्रबंधन (प्रति एकड़) जैविक खाद: बुवाई से पहले 8-10 टन गोबर की खाद। रासायनिक उर्वरक: • यूरिया – 80 कि.ग्रा. (≈ 37 कि.ग्रा. नाइट्रोजन) • एसएसपी – 125 कि.ग्रा. (≈ 20 कि.ग्रा. फास्फोरस/ऑक्सीजन) • एमओपी – 40 कि.ग्रा. (≈ 25 कि.ग्रा. पोटेशियम/ऑक्सीजन) बुवाई के समय फास्फोरस और पोटेशियम की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की आधी मात्रा डालें; शेष आधी नाइट्रोजन को पुष्पन और फल लगने की अवस्था में दो बार में डालें।
Irrigation Management	Irrigation Management • First irrigation immediately after sowing. • Subsequent irrigations every 5–6 days in summer and 8–10 days in cooler months. Critical stages: flowering and fruit setting. Avoid water stagnation or overhead irrigation during flowering to prevent disease spread.	सिंचाई प्रबंधन	सिंचाई प्रबंधन • बुवाई के तुरंत बाद पहली सिंचाई करें। • गर्मियों में हर 5-6 दिन और ठंडे महीनों में हर 8-10 दिन में सिंचाई करें। महत्वपूर्ण चरण: फूल आना और फल लगना। बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए फूल आने के दौरान पानी जमा होने या ऊपर से सिंचाई करने से बचें।
Pest Management	Pest Management 1. Fruit Fly: Use pheromone traps (8–10/acre). Collect and destroy infested fruits. Spray Spinosad @ 0.3 ml/L or Malathion @ 2 ml/L. 2. Aphids / Whitefly: Spray Neem oil @ 3% or Imidacloprid @ 0.3 ml/L. 3. Red Pumpkin Beetle: Dust Carbaryl 5% @ 10 kg/acre or spray Chlorpyrifos @ 2 ml/L.	कीट प्रबंधन	कीट प्रबंधन 1. फल मक्खी: फेरोमोन ट्रैप (8-10 प्रति एकड़) का प्रयोग करें। संक्रमित फलों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें। स्पाइनोसाड का 0.3 मिली/लीटर या मैलाथियन का 2 मिली/लीटर का छिड़काव करें। 2. एफिड्स/सफेद मक्खी: नीम का तेल 3% या इमिडाक्लोप्रिड का 0.3 मिली/लीटर का छिड़काव करें। 3. लाल कद्दू भृंग: कार्बेरिल 5% का 10 कि.ग्रा. प्रति एकड़ पाउडर छिड़कें या क्लोरपाइरिफोस का 2 मिली/लीटर का छिड़काव करें।
Disease Management	Disease Management 1. Powdery Mildew: Spray Wettable Sulphur @ 2 g/L or Hexaconazole @ 1 ml/L. 2. Downy Mildew: Spray Metalaxyl + Mancozeb @ 2 g/L. 3. Mosaic Virus: Control vectors (aphids) using Neem oil @ 3% or Imidacloprid @ 0.3 ml/L; rogue out infected plants. 4. Anthracnose: Spray Carbendazim @ 1 g/L or Mancozeb @ 2.5 g/L at 10-day intervals.	रोग प्रबंधन	रोग प्रबंधन 1. पाउडरी मिल्ड्यू: वेटेबल सल्फर @ 2 ग्राम/लीटर या हेक्साकोनाजोल @ 1 मिली/लीटर का छिड़काव करें। 2. डाउनी मिल्ड्यू: मेटालेक्सिल + मैनकोज़ेब @ 2 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें। 3. मोज़ेक वायरस: नीम के तेल @ 3% या इमिडाक्लोप्रिड @ 0.3 मिली/लीटर का उपयोग करके एफिड्स (कीटों) को नियंत्रित करें; संक्रमित पौधों को हटा दें। 4. एंथ्रेक्नोज: कार्बेन्डाजिम @ 1 ग्राम/लीटर या मैनकोज़ेब @ 2.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर करें।
Harvesting & Yield	Harvesting / Yield First harvest begins 45–50 days after sowing, when fruits are tender and green. Continue harvesting every 3–4 days to promote new fruiting. Average yield: 100–120 q/acre (bushy varieties) or 80–100 q/acre (trailing types).	कटाई और उपज	कटाई / उपज बुवाई के 45-50 दिन बाद पहली कटाई शुरू होती है, जब फल कोमल और हरे होते हैं। नए फल लगने को बढ़ावा देने के लिए हर 3-4 दिन में कटाई जारी रखें। औसत उपज: 100-120 क्विंटल/एकड़ (झाड़ीदार किस्में) या 80-100 क्विंटल/एकड़ (बेलदार किस्में)।
Post-Harvest Management & Storage	Post-Harvest Handling Harvest fruits carefully to avoid bruising. Grade by size and tenderness. Pack in bamboo baskets or ventilated crates. Store at 8–10 °C and 90–95% RH for up to 10–15 days.	फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण	कटाई के बाद की देखभाल फलों को सावधानीपूर्वक तोड़ें ताकि वे खराब न हों। आकार और कोमलता के अनुसार छाँटें। बांस की टोकरियों या हवादार बक्सों में पैक करें। 8-10 डिग्री सेल्सियस तापमान और 90-95% सापेक्ष आर्द्रता पर 10-15 दिनों तक स्टोर करें।
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	अस्वीकरण	ये सिफ़ारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।

PRACTICES	વ્યવસ્થાપન	હાઇબ્રિડ સમર સ્ક્વોશ (આર્યન-70)	पद्धती	हायब्रिड समर स्क्वॅश (आर्यन-70)
Field Sanitation	ખેતરની સ્વચ્છતા	વાવણી પહેલાં પાછલા પાકના અવશેષો, નીંદણ, જૂની વેલા અને રોગગ્રસ્ત/ક્ષતિગ્રસ્ત છોડની સામગ્રી દૂર કરો. જીવાત અને રોગના ફેલાવાને ઘટાડવા માટે ખેતરની સીમાઓ સ્વચ્છ રાખો.	[illegible]	पेरणी करण्यापूर्वी मागील पिकांचे अवशेष, तण, जुन्या वेली आणि रोगग्रस्त/खराब झालेले वनस्पतींचे अवशेष काढून टाका. कीड आणि रोगांचा प्रसार कमी करण्यासाठी शेताच्या सीमा स्वच्छ ठेवा.
Soil requirement	માટીની જરૂરિયાત	રેતાળ લોમ માટી, સારા પાણીના નિતારવાળી, ફળદ્રુપ, સારા કાર્બનિક પદાર્થોવાળી. આદર્શ pH-શ્રેણી: લગભગ 6.0-7.5. પાણી ભરાવાનું અને ભારે માટીવાળી જમીન ટાળો.	मातीची आवश्यकता	वालुकामय चिकणमाती, उत्तम निचरा होणारी, सुपीक, चांगल्या सेंद्रिय पदार्थांनी युक्त. आदर्श pH-श्रेणी: सुमारे ६.०-७.५. पाणथळ जागा आणि जड चिकणमाती टाळावी.
Soil Testing	માટી પરીક્ષણ	[illegible]	माती परीक्षण	[illegible]
Climate Suitability	આબોહવા યોગ્યતા	[illegible]	हवामान अनुकूलता	[illegible]
Land preparation	જમીનની તૈયારી	[illegible]	जमिनीची तयारी	[illegible]
Sowing Time	વાવણી સમય	[illegible]	पेरणीची वेळ	[illegible]
Seed rate & Spacing	બીજ દર અને અંતર	[illegible]	बियाणे दर आणि अंतर	[illegible]
Seed Treatment	બીજ માવજત	[illegible]	बियाणे प्रक्रिया	[illegible]
Weed Management	નીંદણ વ્યવસ્થાપન	[illegible]	तण व्यवस्थापन	[illegible]
Fertilizer Management	ખાતર વ્યવસ્થાપન	[illegible]	खत व्यवस्थापन	[illegible]
Irrigation Management	સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન	[illegible]	सिंचन व्यवस्थापन	[illegible]
Pest Management	જીવાત વ્યવસ્થાપન	[illegible]	कीड व्यवस्थापन	[illegible]
Disease Management	રોગ વ્યવસ્થાપન	[illegible]	रोग व्यवस्थापन	[illegible]
Harvesting & Yield	લણણી અને ઉપજ	[illegible]	काढणी आणि उत्पन्न	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	લણણી પછીનું સંચાલન	[illegible]	काढणीनंतरचे व्यवस्थापन आणि साठवणूक	[illegible]
Disclaimer	અસ્વીકરણ	[illegible]	अस्वीकरण	[illegible]

PRACTICES	நடைமுறைகள்	கலப்பின கோடை ஸ்குவாஷ் (ஆரியன்-70)	[illegible]	[illegible]	ಅಭ್ಯಾಸಗಳು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಸಮ್ಮರ್ ಸ್ಕ್ವಾಷ್ (ಆರ್ಯನ್-70)
Field Sanitation	கள சுகாதாரம்	விதைப்பதற்கு முன், முந்தைய பயிர்களின் எச்சங்கள், களைகள், பழைய கொடிகள் மற்றும் நோய் தாக்கிய/சேதமடைந்த தாவரப் பொருட்களை அகற்றவும். பூச்சி மற்றும் நோய் பரவுவதைக் குறைக்க, வயலின் வரப்புகளைச் சுத்தமாகப் பராமரிக்கவும்.	క్షేత్ర పారిశుధ్యం	విత్తనాలు నాటే ముందు గత పంటల అవశేషాలు, కలుపు మొక్కలు, పాత తీగలు మరియు వ్యాధి సోకిన/దెబ్బతిన్న మొక్కలను తొలగించండి. తెగుళ్లు మరియు వ్యాధులు వ్యాపించకుండా ఉండేందుకు పొలం సరిహద్దులను శుభ్రంగా ఉంచండి.	[illegible]	ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಹಿಂದಿನ ಬೆಳೆಗಳ ಅವಶೇಷಗಳು, ಕಳೆಗಳು, ಹಳೆಯ ಬಳ್ಳಿಗಳು ಮತ್ತು ರೋಗಪೀಡಿತ/ಹಾನಿಗೊಳಗಾದ ಸಸ್ಯ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ. ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ಹರಡುವಿಕೆಯನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಹೊಲದ ಗಡಿಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾಗಿಡಿ.
Soil requirement	மண் தேவை	மணல் கலந்த வண்டல் மண், நல்ல வடிகால் வசதி, வளமானது, மற்றும் சிறந்த கரிமச்சத்துக்களைக் கொண்டது. உகந்த pH அளவு: சுமார் 6.0-7.5. நீர் தேங்குதல் மற்றும் கனமான களிமண் மண்ணைத் தவிர்க்கவும்.	నేల అవసరం	ఇసుకతో కూడిన లోమ్ నేల, నీరు నిలవని, సారవంతమైన, మంచి సేంద్రియ పదార్థం కలిగినది. ఆదర్శవంతమైన pH పరిధి: సుమారు 6.0-7.5. నీరు నిలవని మరియు బరువైన బంకమట్టి నేలలను నివారించండి.	ಮಣ್ಣಿನ ಅವಶ್ಯಕತೆ	ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಗೋಡು ಮಣ್ಣು, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ, ಫಲವತ್ತಾದ, ಉತ್ತಮ ಸಾವಯವ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರುವ ಮಣ್ಣು. ಸೂಕ್ತ pH ಶ್ರೇಣಿ: ಸುಮಾರು 6.0-7.5. ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ಮತ್ತು ಭಾರವಾದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.
Soil Testing	மண் பரிசோதனை	EC, pH, OC மற்றும் பேரூட்டச்சத்துக்கள், நுண்ணூட்டச்சத்துக்கள் ஆகியவற்றுக்காக, குறைந்தது 2-3 ஆண்டுகளுக்கு ஒருமுறை மண் பரிசோதனை செய்து, பரிசோதனை முடிவுகளின் அடிப்படையில் உரமிடவும்.	నేల పరీక్ష	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Climate Suitability	காலநிலை பொருத்தம்	காலநிலைத் தேவை சூடான மற்றும் வறண்ட காலநிலைகளில், முழுமையான சூரிய ஒளியுடன் பூசணி செழித்து வளரும். உகந்த வெப்பநிலை: 20–30 °C. பனியைத் தாங்காது; குளிர்ச்சியான வானிலை அதன் வளர்ச்சியையும் காய்ப்பதையும் தாமதப்படுத்தும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Land preparation	நிலப் பரப்பு	நிலம் தயாரித்தல் 2–3 முறை உழுது, பின்னர் பரம்படித்து நல்ல பதத்தை அடையவும். கடைசி உழவின் போது ஏக்கருக்கு 8–10 டன் நன்கு மக்கிய தொழு உரத்தை மண்ணில் சேர்க்கவும். சிறந்த வடிகால் மற்றும் காற்றோட்டத்திற்காக மேட்டுப் பாத்திகள் அல்லது வரப்புகள் மற்றும் வாய்க்கால்களைத் தயார் செய்யவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Sowing Time	விதைப்பு நேரம்	விதைக்கும் காலம் / பருவம் • வட இந்தியா: பிப்ரவரி–மார்ச் (வசந்த-கோடைக்காலப் பயிர்), ஜூன்–ஜூலை (பருவமழைக்காலப் பயிர்). • தென் இந்தியா: ஜனவரி–மார்ச் மற்றும் செப்டம்பர்–டிசம்பர். • மலைப் பகுதிகள்: ஏப்ரல்–ஜூன்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Seed rate & Spacing	விதை விகிதம் மற்றும் இடைவெளி	விதை அளவு / விதைப்பு முறை / இடைவெளி விதை அளவு: ஏக்கருக்கு 1–1.5 கிலோ (≈ 2.5–3.5 கிலோ/ஹெக்டேர்). விதைப்பு முறை: வரப்புகள் அல்லது குழிகளில் 2–3 செ.மீ ஆழத்தில் நேரடியாக விதைக்க வேண்டும். இடைவெளி: வரிசைகளுக்கு இடையே 1.5 மீ × செடிகளுக்கு இடையே 0.6 மீ (புதர் ரகங்களுக்கு); படர்ந்து வளரும் ரகங்களுக்கு 2.0 மீ × 1.0 மீ. ஒரு குழிக்கு 2–3 விதைகளை விதைக்கவும்; முளைத்த பிறகு, ஒரு ஆரோக்கியமான செடியை மட்டும் விட்டு மற்ற செடிகளைப் பிரிக்கவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Seed Treatment	விதை சிகிச்சை	விதை நேர்த்தி / பூஞ்சைக்கொல்லி நாற்றழுகல் மற்றும் வேர் அழுகலைத் தடுக்க, விதைப்பதற்கு முன் திராம் அல்லது கேப்டன் @ 3 கிராம்/கிலோ அல்லது டிரைகோடெர்மா விரிடி @ 4 கிராம்/கிலோ என்ற அளவில் விதைகளுக்கு நேர்த்தி செய்யவும். வைரஸ் பாதிப்புக்குள்ளாகும் பகுதிகளில், பூச்சிகளால் பரவும் நோய்த்தொற்றிலிருந்து பாதுகாக்க, விதைகளை இமிடாக்ளோபிரிட் 5 கிராம்/லிட்டர் கரைசலில் 10 நிமிடங்கள் ஊறவைக்கவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Weed Management	களை மேலாண்மை	களைக் கட்டுப்பாடு விதைத்த 20-25 நாட்களுக்குப் பிறகு முதல் களையெடுத்தல் மற்றும் மண் அணைத்தல்; 40 நாட்களுக்குப் பிறகு இரண்டாவது முறை. ஈரப்பதத்தைப் பாதுகாப்பதற்கும் களைகளை அடக்குவதற்கும் மூடாக்கு (இயற்கை அல்லது பிளாஸ்டிக்) இடுவது மிகவும் பயனுள்ளதாக இருக்கும். விதைத்த பிறகு (அனுமதி இருந்தால்), முளைப்பதற்கு முந்தைய களைக்கொல்லியான பெண்டிமெத்தலினை ஏக்கருக்கு 1 லிட்டர் என்ற அளவில் பயன்படுத்தலாம்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Fertilizer Management	உர மேலாண்மை	உரம் மற்றும் ஊட்டச்சத்து மேலாண்மை (ஒரு ஏக்கருக்கு) இயற்கை உரம்: விதைப்பதற்கு முன் 8–10 டன் தொழு உரம். இரசாயன உரங்கள்: • யூரியா – 80 கிலோ (≈ 37 கிலோ நைட்ரஜன்) • எஸ்.எஸ்.பி – 125 கிலோ (≈ 20 கிலோ பாஸ்பரஸ் ஆக்சைடு) எம்.ஓ.பி – 40 கிலோ (≈ 25 கிலோ பொட்டாசியம் ஆக்சைடு). விதைக்கும்போது முழு பாஸ்பரஸ், பொட்டாசியம் மற்றும் பாதி நைட்ரஜனை இடவும்; மீதமுள்ள பாதி நைட்ரஜனை பூக்கும் மற்றும் காய்க்கும் பருவங்களில் இரண்டு பிரிவுகளாக இடவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Irrigation Management	நீர்ப்பாசன மேலாண்மை	நீர்ப்பாசன மேலாண்மை • விதைத்த உடனேயே முதல் நீர்ப்பாசனம் செய்ய வேண்டும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Pest Management	பூச்சி மேலாண்மை	பூச்சி மேலாண்மை 1. பழ ஈ: பெரோமோன் பொறிகளைப் பயன்படுத்தவும் (ஏக்கருக்கு 8–10). பாதிக்கப்பட்ட பழங்களைச் சேகரித்து அழிக்கவும். ஸ்பினோசாட் @ 0.3 மி.லி/லி அல்லது மாலத்தியான் @ 2 மி.லி/லி தெளிக்கவும். 2. அசுவினி / வெள்ளை ஈ: வேப்ப எண்ணெய் @ 3% அல்லது இமிடாக்ளோபிரிட் @ 0.3 மி.லி/லி தெளிக்கவும். 3. சிவப்பு பூசணி வண்டு: கார்பரில் 5% @ 10 கிலோ/ஏக்கர் தூவவும் அல்லது குளோர்பைரிஃபோஸ் @ 2 மி.லி/லி தெளிக்கவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Disease Management	நோய் மேலாண்மை	நோய் மேலாண்மை 1. தூள் பூஞ்சணம்: ஈரமாக்கக்கூடிய கந்தகத்தை (Wettable Sulphur) 2 கிராம்/லிட்டர் அல்லது ஹெக்ஸாகோனசோலை (Hexaconazole) 1 மிலி/லிட்டர் என்ற அளவில் தெளிக்கவும். 2. அடிப்பூஞ்சணம்: மெட்டலாக்சில் + மான்கோசெப் (Metalaxyl + Mancozeb) மருந்தை 2 கிராம்/லிட்டர் என்ற அளவில் தெளிக்கவும். 3. மொசைக் வைரஸ் (Mosaic Virus): நோய்க்கடத்திகளை (அசுவினிப் பூச்சிகள்) வேப்ப எண்ணெய் 3% அல்லது இமிடாக்ளோபிரிட் (Imidacloprid) மருந்தை 0.3 மிலி/லிட்டர் என்ற அளவில் பயன்படுத்தி கட்டுப்படுத்தவும்; பாதிக்கப்பட்ட செடிகளைப் பிடுங்கி எறியவும். 4. ஆந்த்ராக்னோஸ் (Anthracnose): கார்பென்டாசிம் (Carbendazim) மருந்தை 10 நாட்களுக்கு ஒருமுறை 1 கிராம்/லிட்டர் அல்லது மான்கோசெப் (Mancozeb) மருந்தை 2.5 கிராம்/லிட்டர் என்ற அளவில் தெளிக்கவும்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Harvesting & Yield	அறுவடை மற்றும் மகசூல்	அறுவடை / மகசூல் விதைத்த 45–50 நாட்களுக்குப் பிறகு, காய்கள் மென்மையாகவும் பச்சையாகவும் இருக்கும்போது முதல் அறுவடை தொடங்குகிறது. புதிய காய்கள் உருவாவதை ஊக்குவிக்க, ஒவ்வொரு 3–4 நாட்களுக்கும் அறுவடையைத் தொடரவும். சராசரி மகசூல்: ஏக்கருக்கு 100–120 குவிண்டால் (புதர் ரகங்கள்) அல்லது ஏக்கருக்கு 80–100 குவிண்டால் (படரும் ரகங்கள்).	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Post-Harvest Management & Storage	அறுவடைக்குப் பிந்தைய மேலாண்மை மற்றும் சேமிப்பு	அறுவடைக்குப் பிந்தைய கையாளுதல் பழங்கள் நசுங்காமல் இருக்க, அவற்றை கவனமாக அறுவடை செய்யவும். அளவு மற்றும் மென்மைத்தன்மையின் அடிப்படையில் தரம் பிரிக்கவும். மூங்கில் கூடைகள் அல்லது காற்றோட்டமுள்ள மரப்பெட்டிகளில் அடைக்கவும். 8–10 °C வெப்பநிலையிலும் 90–95% ஈரப்பதத்திலும் 10–15 நாட்கள் வரை சேமித்து வைக்கலாம்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Disclaimer	மறுப்பு	இந்தப் பரிந்துரைகள் சிறப்புப் பயன்பாட்டு அலகுகள் (SAU-கள்), அரசு நிறுவனங்கள் மற்றும் சோதனை மையங்களின் அடிப்படையில் அமைந்துள்ளன. உண்மையான முடிவுகள் மண் வகை, காலநிலை, பயிர் இரகம் மற்றும் பயிர் மேலாண்மை நடைமுறைகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம்.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]